[श्री चतुरानन मिश्र]

अगर मंत्री महोदय लेना चाहें तो मैं दे सकता हूं या जब जांच करे तो उस वक्त यह दे सकता हूं। एक बार फिर मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स का जो क्रिमिनिलाइजेशन हो रहा है, खुद क्राइम करने लगी है, इसको रोकने के लिए सरकार प्रयास करे अगर वह सक्षम है तो, नहीं तो अगर सरकार के बूते से बाहर है तो जनता को खुद ही इसका मुकाबला करना पड़ेगा। धन्यवाद।

SHRI CHITTA BASU (West Bengal): Sir, it is a serious matter and it should be probed.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव (उत्तर प्रदेश) : इसकी जांच होनी चाहिए . . . (व्यवधान) . . . .

REFERENCE TO THE NEED TO PROVIDE PROPER HEALTH-CARE FACILITIES IN VILLAGES

श्रीमती शान्ती पहाड़िया (राजस्थान) : श्रीमन्, मैं थोड़ा सा स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहूंगी। आजकल देहात में बड़ी भारी बीमारियां चल रही हैं, जैसे--डायरिया, आंखों की बीमारी, मलरिया, टाइफाइड वगैरह बीमारियां चल रही है, श्रीमन्, देहात में जो डाक्टर भेजे जाते हैं, वह ऐसे डाक्टर होते हैं, जिनको सारा अनुभव नहीं होता है और हरेक बीमारी के लिए एक ही डाक्टर होता है, चाहे आंख की बीमारी हो, नाक की बीमारी हो या गले की बीमारी हो या कोई भी बीमारी हो। अब वह क्या करते हैं कि जो भी इलाज करते हैं, उनको अनुभव तो होता नहीं है और उल्टे उससे मरीज का नुकसान हो जाता है और कईयों की तो आंख तक चली जाती हैं। इसलिए मैं यह कहना चाहती हूं कि वैसे तो गवर्नमेंट ने बहुत ही अच्छी सुविधाएं कर रखी हैं, लेकिन थोड़ा सा इस ओर ध्यान दिया जाये कि यह जो रिटायर्ड डॉक्टर होते है, वैसे तो नहीं जाना चाहते, लेकिन कोई-कोई जाना भी चाहता है तो उनको दुबारा नौकरी देकर देहात में भेजा जाये। इसमें शायद हो सकता है गरीब जनता को मदद मिले क्योंकि इनको अनुभव भी होता है और वे वहां बीमारियों का इलाज भी करेंगे। यह जो आप नए डाक्टर भेज देते हैं तो इनको पूरी जानकारी तो होती नहीं है, वह किसी की आंख को देख रहे हैं, यह आंख के डाक्टर तो हैं नहीं, इससे उल्टे मरीज की आंख खराब हो जाती हैं।

इसके साथ ही श्रीमन्, मैं यह भी कहना चाहती हूं कि हमारी जो खासतौर पर महिलाएं होती हैं, डिलीवरी के टाइम पर चूंकि वहां देहातों में हास्पीटल होते नहीं है, इसलिए बहुत सी बहनें जो हैं, जान से हाथ धो बैठती हैं। ऐसी बहनों को जिले में ले जाना पड़ता है और जिले के हास्पीटल दूर होते हैं, कोई दस किलोमीटर होता है, तो कोई बीस-तीस किलोमीटर दूर होता है हरेक तहसील से। अब इतनी दूर तक लेडी को ले जाते हैं बैलगाड़ी से तो उसकी बुरी हालत होती है, फिर या तो बच्चा मर जाता है या फिर जच्चा मर जाती है। इसलिए हरेक तहसील में एक हास्पीटल सौ बैड का महिलाओं के लिए होना चाहिए ताकि महिलाओं को पूरी सुविधा मिले।

इसके साथ ही श्रीमन्, जो छोटे-छोटे बच्चे हैं, उनके लिए हमारी गवर्नमेंट ने वैसे तो बहुत ही अच्छे कार्यक्रम चला रखे हैं, उनको खाना भी देते है और भी चीज देते है, लेकिन अगर उनके लिए कोई हास्पीटल गाड़ी भी गवर्नमेंट दे तो बहुत ही अच्छा होगा या गवर्नमेंट हरेक इलाके में छोटा-मोटा हास्पीटल भेज दे तो यह जो बच्चे हैं, यह बीमारी से, मलेरिया से बच सकेंगे। धन्यवाद।

REFERENCE TO THE REPORTED THREAT OF ALL ASSAM STUDENTS UNION TO RESUME AGITATION

SHRI CHITTA BASU (West Bengal): Mr. Deputy Chairman, Sir, with your permission, I would like to draw the attention of the Government and also of the House to a situation of uncertainty now prevailing in Assam. Now the importance and the urgency of the matter has been underlined by the very fact that today, two distinguished Members of this House have already mentioned something about it. The House may be aware of the fact that the AASU has given a call for the resumption